सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

भारत में हम बस मौत, बीमारी, आतंकवाद और अपराध के बारे में पढ़ते हैं।

-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 79 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024

यश की उम्दा पारी से राजस्थान... 7 | रैलियों से नेता दिखाएंगे अपनी... 3 | गठबंधन को जिताने में जुटें... 2

नफरती भाषण पर विपक्ष व बीजेपी में वार-पलटवार

पीएम के बयान पर विपक्ष का हमला, चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग

- भाजपा प्रत्याशी के निर्विरोध जीत पर सियासी रार
- राहुल बोले- जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीना जा रहा
- राजस्थान में कांग्रेस पर बरसे मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे दूसरे चरण के चुनाव प्रचार का अंतिम समय आ रहा है। सत्ता पक्ष में बैठी बीजेपी ध्रुवीकरण तेज करने में जुट गई है। प्रधानमंत्री व बीजेपी के अन्य नेता अब चुनावी मंचों पर खुलकर धर्म की सियासत करने लगे हैं। पीएम ने अब भी हाल में कांग्रेस पर संपत्ति को मुस्लिमों में बांटने का बयान दिया जिसके बाद से सियासत में उबाल गया है।

अब कांग्रेस ने इस मामले को लेकर बीजेपी व पीएम मोदी को घेरते हुए चुनाव आयोग से शिकायत करने का मन बनाया है। सारे इंडिया गठबंधन के सदस्यों मोदी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बीजेपी विभाजन करके फिर से सत्ता हथियाना चाहती है। हालांकि पीएम ने फिर एकबार कहा है कि उन्होंने सच्चाई बताई है तो कांग्रेस को मिर्ची क्यों लग रही है। वहीं सूरत में बीजेपी सांसद के निर्विरोध चुने जाने पर भी राजनीति शुरू हो गई है। राहुल गांधी ने पीएम पर जमकर हमला बोला है।

मैंने सत्य देश को बताया तो मिर्ची क्यों : मोदी

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए स्थायी सरकार जरूरी है। देश में एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी। लोगों को बांटने की कोशिश हो रही है, जब भी हम बंटे हैं दुश्मन को फायदा हुआ है। कांग्रेस का राज होता तो आए दिन ब्लास्ट होते, ओरओपी लागू नहीं होता। कांग्रेस के राज में आस्था का पालन मुश्किल है। कांग्रेस ने रामनवमी पर रोक लगा दी। कर्नाटक में हनुमान चालीसा पढ़ने पर पीटा गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एकता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। जब-जब हम बंटे हैं तब-तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है। अब भी राजस्थान और यहां के लोगों को बांटने की पूरी कोशिश हो रही है, इससे राजस्थान को सावधान रहने की जरूरत है।

तानाशाह की असली सूरत एक बार फिर देश के सामने आई : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि तानाशाह की असली सूरत एक बार फिर देश के सामने है! जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीन लेना बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को खत्म करने की तरफ बढ़ाया एक और कदम है। अन्य सभी दावेदारों द्वारा अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मुकेश दलाल को गुजरात के सूरत लोकसभा क्षेत्र से निर्विरोध चुना गया। यह घटनाक्रम रविवार को कांग्रेस के दो उम्मीदवारों के नामांकन रद्द होने और आठ अन्य उम्मीदवारों द्वारा सोमवार को अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के बाद आया है। गुजरात में 7 मई को मतदान होगा। इसकी पुष्टि करते हुए, गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटिल ने दलाल के लिए बधाई संदेश पोस्ट किया। राहुल ने कहा मैं एक बार फिर कह रहा हूं - यह सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह देश को बचाने का चुनाव है, संविधान की रक्षा का चुनाव है। गुजरात में तीसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन 15 अप्रैल से 19 अप्रैल तक दाखिल किया गया और 22 अप्रैल को उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख थी।

पहले चरण में कम वोटिंग से बीजेपी घबराई

देशभर के कई राज्यों में 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान हुए थे. हालांकि, पहले चरण में मतदाता की संख्या काफी कम रही और इसे लेकर बीजेपी में चर्चा की गई। कम मतदान को लेकर यह बैठक सोमवार देर रात तक चली। इसके बाद कार्यकर्ताओं और पन्ना प्रमुखों को संदेश दिया गया है। उन्हें कहा गया है कि मतदाताओं को घर से निकाल कर मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

सूरत से चली विजय की बयार : बीजेपी

हालांकि, भाजपा ने एक्स के एक्स पोस्ट में लिखा कि सूरत से चली विजय की बयार, फिर एक बार मोदी सरकार! बीजेपी के मुकेश दलाल ने जीत के बाद कहा कि हम विकसित भारत के लिए वोट मांग रहे थे। आज गुजरात और देश में पहला कमल खिला है। कांग्रेस का पर्चा खारिज हो गया और बाकी उम्मीदवारों ने पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने का समर्थन करते हुए अपना पर्चा वापस ले लिया।

सीएम केजरीवाल को दी गई इन्सुलिन

- तिहाड़ जेल में शुगर लेवल पहुंचा 300 पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद है। जेल में बंद अरविंद केजरीवाल लगातार खुद को बीमार बता रहे है। इस मामले पर विवाद थमता नज़र नहीं आ रहा है। इन्सुलिन के मामले पर आम आदमी पार्टी और बीजेपी लगातार आमने सामने आ रही है। दोनों पार्टियां लगातार बयानबाजी करने से पीछे नहीं हट रही है। इसी बीच जानकारी सामने आई है कि तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पहली बार इंसुलिन दी गई है।

सोचो के अनुसार जेल में केजरीवाल का शुगर लेवल बार-बार बढ़ रहा है।

अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल 320 के स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद उन्हें इंसुलिन दी गई है। अरविंद केजरीवाल शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। जेल में बंद रहने के बाद यह पहला मौका है जब उन्हें इन्सुलिन दी गई है। वही इंसुलिन न दिए जाने को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाल ही में तिहाड़ जेल के बाहर जेल प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

'मुख्तार को नहीं दिया गया था जहर'

- न्यायिक जांच टीम को भेजी गई रिपोर्ट, विसरा जांच में पुष्टि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। मुख्तार को जेल में जहर देने का मामला ठंडे बस्ते में जाता नजर आ रहा है। पुलिस सूत्रों की मानें तो मुख्तार की विसरा जांच रिपोर्ट आ गई है। जो न्यायिक जांच टीम को भेज दी गई है। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि 28 मार्च की देर रात जेल में बंद मुख्तार अंसारी की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

मुख्तार के परिजनों ने उन्हें जेल में जहर देने का आरोप लगाया था। इस पर प्रशासनिक और न्यायिक जांच टीमें गठित की गई थीं। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन फिर भी विसरा

जांच के लिए लखनऊ भेजा गया था। विसरा रिपोर्ट के बाद लगभग यह बात साफ हो गई है कि मुख्तार अंसारी की मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई थी। पुलिस के सूत्रों का कहना है कि विसरा रिपोर्ट लखनऊ से आ गई है और उसे न्यायिक जांच टीम को दे दी गई है। हालांकि जांच टीम का कोई अधिकारी इस पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के नहीं हुए बयान

करीब 10 दिन पूर्व न्यायिक जांच टीम ने मंडल कारागार के बाद मामले में मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया था। टीम ने कॉलेज प्रबंधन से माफिया के इलाज की बीएचटी रिपोर्ट भी तलब की थी, लेकिन इलाज करने वाले 10 से 12 डॉक्टरों से पूछताछ होना अभी बाकी है। मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों का कहना है कि न्यायिक टीम जब चाहे इलाज करने वाले डॉक्टरों के बयान ले सकती है।

सार्वजनिक बयान के लिए भी कोई नहीं पहुंचा

प्रशासन की जांच टीम ने मुख्तार की मौत के मामले में सार्वजनिक नोटिस जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी व्यक्ति मौत से जुड़ी कोई भी जानकारी अथवा बयान दे सकता है। लेकिन अभी तक कोई नहीं पहुंचा।

गठबंधन को जिताने में जुटें कार्यकर्ता

» टिकट कटने वाले प्रत्याशी से अखिलेश बोले- भीम को मिठाई खिलाओ!

» टिकट पर रार: उम्मीदवार बदलने का सपा में क्रम जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सपा में टिकट कटनेका दौर अब भी चल रही है। समाजवादी पार्टी ने सुल्तानपुर से सपा के प्रदेश सचिव भीम निषाद का टिकट काटकर पार्टी ने पूर्व मंत्री राम भुआल निषाद को मैदान में उतार दिया है। टिकट कटने के बाद भी सपा नेता भीम निषाद ने हार नहीं मानी है। वहीं सपा प्रमुख ने सभी गुटों के नेताओं को एक जुट रहने का कहा है। उन्होंने कहा सब ठीक होगा। आप लोग बस इंडिया गठबंधन को जीत दिलाने के लिए मेहनत करे। सोमवार को जिले में पार्टी के इकलौते विधायक ताहिर खान के साथ उन्होंने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की।

इसके बाद भीम समर्थक खुशी मना रहे हैं। उधर, विधायक ताहिर खुलकर सामने आ गए हैं। इससे टिकट को लेकर अटकलबाजी एक बार फिर तेज हो गई है। इस फैसले के बाद पार्टी सीधे दो धड़ों में बंटती नजर आ रही है। राम भुआल के खेमे में जहां दो पूर्व विधायक बताए जाते हैं, वहीं भीम निषाद की पैरवी अब खुलकर जिले के एकमात्र विधायक ताहिर खान कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सोमवार को दोनों ही पक्षों के लोग सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे थे, जहां एक पूर्व विधायक और विधायक ताहिर खान के बीच बहस भी हो गई। इसके बाद सपा प्रमुख से भीम निषाद, विधायक ताहिर खान और एक पूर्व जिलाध्यक्ष ने मुलाकात की। इस बारे में भीम निषाद और विधायक ताहिर खान खुलकर कुछ नहीं कह रहे हैं। दोनों ने सिर्फ इतना कहा कि जल्द ही बेहतर नतीजे सामने होंगे। बैठक में शामिल सूत्रों के अनुसार सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधायक ताहिर खान से कहा कि भीम को मिठाई खिलाओ। बाहर आकर विधायक ने भीम निषाद को खजूर खिलाए। अखिलेश के इस रवैये से ही भीम निषाद का खेमा उत्साहित बताया जा रहा है।

विधायक अभय सिंह पत्नी व पिता सहित भाजपा में हुए शामिल

यूपी में समाजवादी पार्टी को झटका लगा है। गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह अपने पिता भगवान बख्श सिंह व पत्नी सरिता सिंह सहित भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। अभय सिंह ने राज्यसभा चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। इसके अलावा करुणाकर पांडे, पूर्व सांसद संतोष कुमार सिंह, चौधरी सरदार सिंह, पूर्व विधायक अशोक सिंह, पूर्व विधायक पहलवान सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सुशीला देवी, नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्नी देवी, बसपा के वरिष्ठ नेता कुवर वकील चंद्र भी भाजपा में शामिल हो गए।

कन्नौज से अखिलेश नहीं तेज प्रताप लड़ेंगे चुनाव

समाजवादी पार्टी ने सोमवार को कन्नौज सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। इस सीट पर तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस सीट से चुनाव लड़ेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमवार को सपा ने कन्नौज के अलावा बलिया सीट पर भी उम्मीदवार की घोषणा की। इस सीट पर सनातन पांडेय को टिकट दिया गया है। अखिलेश यादव प्रदेश में दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए प्रचार कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मिलकर अमरोहा में रैली को संबोधित किया था। जहां उन्होंने दावा किया था कि पहले चरण के मतदान में एनडीए पिछड़ गया है। यही आगे के भी चरणों में होना है।

नीतीश को कुछ लोग जोर जबरदस्ती बुलवा रहे: तेजस्वी यादव

» परिवार वाले बयान पर पीएम मोदी पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कटिहार में राजद सुप्रीमो पर परिवारवाद का हमला किया था। इस दौरान नीतीश कुमार ने लालू यादव के बीटा बेटियों के जन्म पर टिपण्णी की थी, जिसके बाद लालू की लाडली रोहिणी आचार्य ने राम चरित मानस की पंक्तियों का सहारा लेते हुए उनपर हमला किया था। हालांकि इस मामले पर तेजस्वी यादव ने अपना रुख सामान्य ही रखा और कहा कि चाचा को क्या कहा जाय।

अब तेजस्वी यादव इसे चुनावी एजेंडा के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। तेजस्वी यादव अब महान पुरुषों के बारे में चर्चा कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने इस संबंध में लिखा है कि मैं शुरू से ही कह रहा हूं कि नीतीश कुमार बच्चों इत्यादि पर ऐसा बोल नहीं सकते लेकिन कुछ लोगों ने उन्हें घेर रखा है, उनसे ऐसा बुलवाया जा रहा है। उन्होंने कई पूर्व नेताओं के बड़े परिवारों का हवाला दिया।

अपनी विश्वसनीयता खो चुका है चुनाव आयोग : बृंदा करात

» मोदी के एक बयान को चौंकाने वाला बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी की नेता बृंदा करात ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान को चौंकाने वाला बताते हुए भारतीय चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। बृंदा करात के अनुसार, प्रधानमंत्री के शब्दों ने सांप्रदायिक शत्रुता और घृणा फैलाने वाले भाषण को भड़काने के खिलाफ भारतीय कानूनों का उल्लंघन किया है, फिर भी चुनाव आयोग उचित कार्रवाई करने में विफल रहा है। प्रधानमंत्री भारत के नागरिक हैं। प्रधानमंत्री भारत के नागरिकों से ऊपर नहीं हैं।

प्रधानमंत्री भारत के कानून से ऊपर नहीं हैं। प्रधानमंत्री को भारत के कानूनों को स्वीकार करना होगा। जब पीएम कानूनों का उल्लंघन करते हैं भारत के जो लोग समुदायों के बीच दुश्मनी फैलाने के खिलाफ हैं, एक समुदाय के बीच नफरत फैलाने के खिलाफ हैं, उन्हें कानून के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। करात ने प्रधानमंत्री के भाषण को भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के नेता के लिए अविश्वसनीय बताया। उन्होंने आगे कहा, इसमें चुनाव आयोग की भूमिका पूरी तरह से चौंकाने वाली है। अगर वे प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता क्या है? यह प्रधानमंत्री की ओर से आने वाला एक बिल्कुल चौंकाने वाला बयान है। यह लगभग अविश्वसनीय है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश के प्रधानमंत्री को मर्यादा में बोलना चाहिए, बिल्कुल स्पष्ट रूप से वह अपने भाषण में एक सांप्रदायिक कट्टरपंथी की तरह बोलते हैं।

देश में कांग्रेस की लहर : अरविंदर लवली

» भाजपा प्रत्याशियों को हर क्षेत्र में घेरेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस भाजपा प्रत्याशियों को हर क्षेत्र में घेरेगी। प्रदेश कांग्रेस तीनों उम्मीदवारों जयप्रकाश अग्रवाल, उदित राज व कन्हैया कुमार के साथ मीडिया के सामने आए। प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने अपनी बात रखी। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस को सभी कमजोर करार देते थे, लेकिन टिकट की अधिक मारामारी कांग्रेस में है। इससे साबित होता है कि देश में कांग्रेस की लहर है।

वहीं लवली ने कहा कि टिकट बंटवारे के बाद कई दिन तक नाराजगी रहती है, मगर कुछ दिनों बाद सभी पार्टी उम्मीदवार को जिताने में लग जाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम आदमी पार्टी के साथ समझौते में मिली तीनों सीटों पर मैदान में उतरे कांग्रेस के उम्मीदवार भाजपा व उसके उम्मीदवारों को हर क्षेत्र में घेरेंगे। इसके अलावा वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता हासिल करने के लिए लोगों को धर्म व जाति में बांटकर लड़ाने के षड़यंत्र को जनता के बीच उजागर करेंगे। इसके अलावा वह इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर चंदा वसूलने, महंगाई, बेरोजगारी आदि मसलों पर भी भाजपा व प्रधानमंत्री से सवाल करेंगे।

चंदा लो, धंधा दो के तहत चुनावी बॉन्ड से लूट मचाई : कन्हैया

उत्तर पूर्व दिल्ली क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने कहा कि आज महंगाई ने जनता की कमर तोड़ रखी है। बेरोजगारी रिकार्ड तोड़ रही है। अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ने के कारण प्रति व्यक्ति जीडीपी हिस्सेदारी घट रही है। लोगों की रोजमर्रा की वस्तुएं खरीदने की शक्ति कमजोर हो रही है। देश के ऊपर 70 सालों में 55 लाख करोड़ के कर्ज को 150 लाख करोड़ तक भाजपा सरकार ने पहुंचा दिया है। चंदा लो, धंधा दो के तहत चुनावी बांड से लूट मचाई गई है और 'जाति को जाति से, धर्म को धर्म से लड़ाने की फूट डालो शासन करो' अंग्रेजों की नीति को सार्थक करने की राजनीति भाजपा कर रही है।

मैं पार्टी से बड़ा नहीं: बृजभूषण

» तोड़ी चुप्पी, कहा- अब तक टिकट न मिलना पार्टी की रणनीति का हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- हम भाजपा से बड़े नहीं हैं। टिकट के सवाल पर बोले- हो सकता है कि इसके पीछे भाजपा की कोई रणनीति हो। हालांकि उन्होंने टिकट न मिलने का ठीकरा मीडिया पर फोड़ा है। उनका कहना है कि मीडिया की वजह से उन्हें अब तक टिकट नहीं मिला। वह सोमवार को मनकापुर राजघराने के कुंवर विक्रम सिंह के निधन पर शोक जताने मंगल भवन पहुंचे थे।

सांसद ने कुंवर विक्रम के परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से मुखातिब हुए। कहा कि टिकट मिलना न मिलना हमारी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने कभी मजहब के आधार पर राजनीति नहीं की। सन 1989 में समाजवादी पार्टी की सरकार थी। मुलायम सिंह उस वक्त मुख्यमंत्री थे। अयोध्या में विवादित ढांचा विध्वंस होने पर सबसे पहले मुझे गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने भी सबसे पहले अरेस्ट किया था। लेकिन इन सबके बावजूद जब तक मुलायम सिंह यादव जिंदा रहे उनसे अच्छे संबंध रहे। हर बात राजनीति से जोड़कर नहीं देखनी चाहिए। टिकट के सवाल पर कहा कि यह हमारी चिंता है, आपकी नहीं। राहुल व अखिलेश पर बोलने से सांसद बचते नजर आए।

मै ईरान तेहरान की बात नहीं करता....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

रैलियों से नेता दिखाएंगे अपनी ताकत

- सभी दलों ने तेज किया चुनावी प्रचार
- नेताओं ने चलाए एक-दूसरे पर जुबानी तीर
- बीजेपी के खिलाफ विपक्ष ने खोला मोर्चा
- कांग्रेस ने भी किया मोदी पर जोरदार प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रांची में इंडिया गठबंधन ने दूसरे चरण से पहले एक बड़ी रैली करके अपनी ताकत दिखा दी। इस रैली में लगभग इस एलायंस के सभी बड़े नेता मौजूद रहे। सारे सियासी नेताओं और दलों के निशाने पर बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। हालांकि कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की तबीयत खराब होने की वजह से वह वहां नहीं जा सके।

उधर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मध्य प्रदेश के सतना जिले में कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धार्थ कुशवाहा के समर्थन में भाजपा पर करारा हमला बोला और पीएम मोदी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। रांची ही नहीं पूरे देश में अब सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार तेज हो गए है। ममता, तेजस्वी, अखिलेश, प्रियंका व मायावती सभी पूरी तरह से चुनावी प्रचार में रमने लगे हैं। सभी नेता अपने मंचो से बीजेपी सरकार की दस साल की नाकामियों को जनता के बीच पूरजोर तरीके से उठा रहे हैं। उधर बीजेपी भी विपक्ष पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं गवां रही है। अभी छह चरण बचे हैं ऐसे में लगता है कि चुनावी प्रचार अभी और आक्रामक रुख अख्तियार करेगा।

केरल में राज्य सरकार के झूठ से तंग आ चुके हैं आम लोग: मोदी

नरेंद्र मोदी ने कहा कि ईसाई समुदाय एलडीएफ और यूडीएफ के झूठ से तंग आ चुका है... ईसाई समुदाय का हम पर भरोसा मजबूत हुआ है और हम उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केरल में ईसाई राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) दोनों के झूठ से तंग आ गए हैं। एलडीएफ वर्तमान में राज्य में सत्ता में है और कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है। जबकि दोनों दल और उनके गठबंधन राज्य में टकराते हैं, वे दोनों 2024 के आम चुनावों के लिए भारत गुट का हिस्सा हैं। 26 अप्रैल को केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर होने वाले दूसरे दौर के मतदान से पहले, मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में ईसाई समुदाय का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि समुदाय गोवा और पूर्वोत्तर भारत में पार्टी को वोट दे रहा है, जहां ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं।

मोदी ने कहा, केरल के सामुदायिक नेताओं का कहना है कि राज्य में चर्च की संपत्तियों को एलडीएफ और यूडीएफ के कारण संकट का सामना करना पड़ रहा है। मोदी ने तटीय राज्य के मछुआरों की मदद के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। कांग्रेस और वाम नेतृत्व वाले गुटों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं और एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। मोदी ने राज्य की वाम मोर्चा सरकार पर भी हमला बोला और वामपंथी समूहों द्वारा संचालित सहकारी बैंकों में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मुद्दा उठाया।

जनता को बताएंगे सरकार के कारनामे : प्रियंका

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने मुझ से कहा कि प्रियंका तुम झारखंड जाओ और हमारी दो बहनें एक दिल्ली में और एक झारखंड में जो लड़ाई लड़ रही हैं उनके साथ उनकी आवाज उठाओ। देश की जनता को बताओ कि किस प्रकार इडी-सीबीआई व आईटी विपक्ष का गला घोंटने का काम कर रही है।

400 पार का नारा फर्जी : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने भी लोगों को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन भारत के लिए काम करेगा और पीएम मोदी अदाणी के लिए काम करेंगे। भाजपा ने बंगाल में 400 पार, 200 पार, दिल्ली में 35 पार, झारखंड में 65 पार जैसे नारे देकर लोगों को गुमराह किया। 400 पार का नारा फर्जी है। इस बार आपको उन्हें ताड़ी पार, ताड़ी पार कहना चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि पूरे हिंदुस्तान में बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर का संविधान चलता है और भारत तथा हम सब लोग उनके संविधान को मानते हैं। भाजपा नागपुर के संविधान को मानते हैं। नागपुर का संविधान कहता है कि दलितों का आरक्षण खत्म करो, आदिवासियों का आरक्षण खत्म करो, पिछड़ों का आरक्षण खत्म करो, चुनाव खत्म करो... मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ये अंतिम चुनाव है और इस बार चुनाव में इनको हराने का काम करना और कहना कि हम देश का संविधना नहीं बदलने देंगे।

देश में बड़ा अदलाव आने वाला है : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री और आप नेता भगवंत मान ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी नहीं है, बल्कि भारतीय जुमला पार्टी है। देश में बड़ा इंकलाब आने वाला है। आज जहां तक नजर जा रही थी वहां तक लोगों की भीड़ थी, लोगों में बहुत उत्साह था। जब बदलाव के लिए लोग चलते हैं तो ऐसी ही भीड़ दिखती है।

पार्टी गीत से दिंदू, जय भवानी नहीं हटाएंगे : उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्हे अपनी पार्टी के नए गीत से जय भवानी और हिंदू जैसे शब्द हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से एक नोटिस मिला है, लेकिन वह इसका पालन नही करेंगे। उद्धव ठाकरे ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के गीत से जय भवानी हटाने की मांग करना महाराष्ट्र का अपमान है। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी ने अपने नए चुनाव चिन्ह मशाल को लोकप्रिय बनाने के लिए एक गीत तैयार किया है और निर्वाचन आयोग ने इसमे से हिंदू एवं जय भवानी जैसे शब्द हटाने को कहा है। ठाकरे ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज ने देवी तुलजा भवानी के आशीर्वाद से हिंदवी स्वराज की स्थापना की। हम देवी या हिंदू धर्म के नाम पर वोट नही मांग रहे है। यह अपमान है और इसे बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होने कहा कि वह अपनी जन सभाओ मे जय भवानी और जय शिवाजी कहने की परंपरा जारी रखेगे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा, अगर निर्वाचन आयोग हमारे खिलाफ कार्रवाई करता है, तो उन्हे हमे बताना होगा कि उन्होने उस समय क्या किया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करते हुए लोगो से जय बजरंग बली कहने और ईवीएम का बटन दबाने को कहा था। (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह ने लोगो से कहा था कि वे अयोध्या मे रामलला के दर्शन मुफ्त मे करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट दे। उन्होने कहा, शिवसेना (यूबीटी) ने निर्वाचन आयोग से पूछा है कि क्या कानून बदल दिए गए है और क्या अब धर्म के नाम पर वोट मांगना ठीक है।

अमीरों को सराहा, गरीब रहे कराह : खरगे

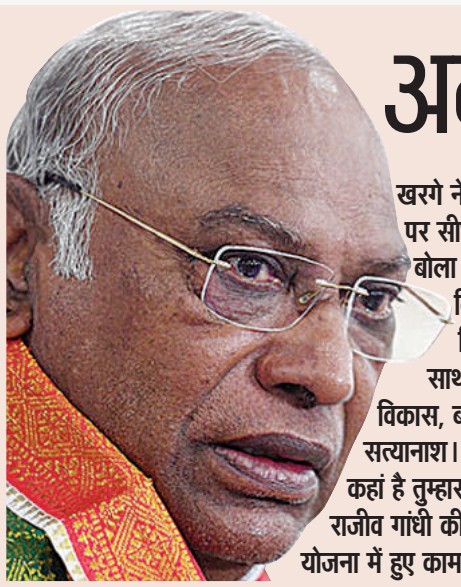

खरगे ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी ने नारा दिया- सबका साथ और सबका विकास, बाकी लोगों का सत्यानाश। लोग पूछ रहे- कहां है तुम्हारा विकास? राजीव गांधी की पंचवर्षीय योजना में हुए काम आज भी नजर आते हैं। देश में साइंस और टेक्नोलॉजी को ब?ावा देकर रॉकेट बनाया। इंदिरा गांधी ने इस रॉकेट को उ?ाया। आप (भाजपा) सिर्फ कांग्रेस और गांधी फैमिली को गाली देते हैं। प्रजातंत्र और लोकशाही को मोदी खत्म कर रहे हैं और कहते ये हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो संविधान नहीं बदलेगा। खरगे ने कहा कि मोदी तो अपनी पार्टी तक अपनी पार्टी तक का नाम नहीं लेते, कहते हैं- ये मोदी की देन है, ये मोदी की गारंटी, सब मोदी-मोदी है। मैं आप लोगों से पूछता हूं, मोदी ने 15 लाख रुपये देने का वादा किया था, मिले क्या? हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, 10 साल में 20 करो? नौकरियां मिलीं क्या? किसानों से वादा किया था, उनकी आमदनी डबल हुई क्या? मोदी खूब झूठ बोलते हैं, जहां भी जाते हैं वहां झूठ बोलकर आते हैं। इसलिए मैं उन्हें झूठों का सरदार कहता हूं। खरगे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो भी संविधान नहीं बदलेगा। ये उनके अल्फाज हैं। आपने खबरों में पढ़ा और सुना होगा। अगर, यह सच है तो आपके सांसद, मोहन भागवत और एमएलए क्यों कहते हैं कि हमे टू थर्ड मेजोरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे। क्या ऐसे इंसान के नेतृत्व को आप लोग वोट देंगे। खरगे ने कहा कि दो आदमी देश का सामान बेच रहे हैं। एयरपोर्ट, रोड, रेलवे सब बेच रहे है। अडाणी और अंबानी लेने वाले हैं, मोदी और शाह बेचने वाले हैं। इन्होंने बैंक बर्बाद कर दिए। अमीरों का 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीब और किसानों का कर्जा माफ नहीं किया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जंगलों के बचने से बचेगा मानव जीवन का भविष्य!

गौरतलब हो कि जलवायु परिवर्तन के असर से मुक्ति को मौलिक अधिकार के तौर पर मान्यता देने के एक हफ्ते बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने एक और महत्वपूर्ण फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का हानिकारक प्रभाव देश के भविष्य पर पड़ सकता है। वन स्वार्थहीन सेवा देते हैं, लेकिन इंसान उन्हें अपनी मूर्खता की वजह से नष्ट कर रहा है और इस तरह अनजाने में एक तरह से अपने आपको ही नष्ट कर रहा है।

समय-समय पर अदालतें समाज को सजग करने के लिए भी फैसले देती रहती हैं। सरकारों के गलत फैसलों पर फटकार के अलावा कोर्ट कभी-कभी आमजन को भी नसीहत देती रहती हैं। हाल ही कोर्ट ने कहा था कि मनुष्य वनों को काटकर खुद अपने जीवन को नष्ट करने की ओर बढ़ रहा है। कोर्ट की यह टिप्पणी हल्के में लेने वाली नहीं है इसे सारे मानव समाज को गंभीरता से लेने की जरूरत है। गौरतलब हो कि जलवायु परिवर्तन के असर से मुक्ति को मौलिक अधिकार के तौर पर मान्यता देने के एक हफ्ते बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने एक और महत्वपूर्ण फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का हानिकारक प्रभाव देश के भविष्य पर पड़ सकता है। वन स्वार्थहीन सेवा देते हैं, लेकिन इंसान उन्हें अपनी मूर्खता की वजह से नष्ट कर रहा है और इस तरह अनजाने में एक तरह से अपने आपको ही नष्ट कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई की रिपोर्ट का हवाला भी दिया। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट ऑन करेंसी एंड फाइनैंस शीर्षक से आरबीआई की जो रिपोर्ट है, वह बेहद चिंता का विषय है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन से समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसका असर देश के भविष्य पर होगा। वन स्वार्थहीन सेवा देते हैं, लेकिन इंसान उन्हें अपनी मूर्खता की वजह से नष्ट कर रहा है और इस तरह अनजाने में एक तरह से अपने आपको ही नष्ट कर रहा है। मौजूदा मामला फॉरेस्ट की जमीन को एक प्राइवेट जमीन के तौर पर घोषित करने से संबंधित था। तेलंगाना की हाई कोर्ट ने अपने रिव्यू आदेश में प्राइवेट पार्टी के फेवर में जमीन दे दी, जबकि उसके पहले के आदेश में कहा गया था कि जमीन वन की है। इसके बाद हाई कोर्ट के फैसले को तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को पलट दिया और इस तरह प्राइवेट पार्टी का वन की जमीन पर दावा खारिज हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई की रिपोर्ट को कोट किया जिसमें कहा गया है कि भारत में बढ़ते तापमान और मानसून के बदलते पैटर्न यह दर्शाता है कि क्लाइमेट में बदलाव हो रहा है। अर्थव्यवस्था को अपने जीडीपी में 2.8 फीसदी गिरावट का अनुमान है। 2050 तक देश की आधी आबादी के लिए उसके जीवन यापन में मुश्किल हालात का सामना करना पड़ सकता है। क्लाइमेट चेंज के कारण भारत 2100 तक हर साल जीडीपी का 3 फीसदी से लेकर 10 फीसदी तक गंवा सकता है। साथ ही कहा गया है कि श्रम उत्पादकता की हानि हो रही है। यह भी गर्मी से संबंधित कारकों के कारण हो रहा है। मौसम की गर्मी से विश्वस्तर पर 80 मिलियन लोगों की नौकरी जा सकती है और उसमें भारत की 34 मिलियन नौकरी खतरे में होगी। कुल मिलाकर लोगों की जिम्मेदारी है कि वह भविष्य को ध्यान में रखकर जंगलों को बचाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक बड़ा खतरा

डॉ. सनी धीमान/ डॉ. अनु कुमार

आधुनिक युग में, हमारी वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला दक्षता और नवीनता का चमत्कार है। जिससे हम दुनियाभर के विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। हालांकि, इस सुविधा की सतह के नीचे एक घातक खतरा छिपा हुआ है- माइक्रोप्लास्टिक। ये छोटे प्लास्टिक कण, जो अक्सर नग्न आंखों के लिए अदृश्य होते हैं, उत्पादन से लेकर खपत तक, आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में हमारे भोजन को दूषित कर रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक हर जगह हैं, समुद्र की गहराई से लेकर सबसे ऊंची चोटियों तक, और उन्होंने हमारे ग्रह के सबसे दूरस्थ कोनों में भी घुसपैठ की है। ये छोटे कण विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होते हैं, जिनमें प्लास्टिक की बड़ी वस्तुओं का टूटना, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले माइक्रोबीड्स और कपड़ों से निकलने वाला सिंथेटिक फाइबर का अंश शामिल होता है।

एक बार पर्यावरण में आने पर उन्हें हवा और पानी के जरिये लंबी दूरी तक ले जाया जा सकता है। अंतत: हमारी खाद्य श्रृंखला ही दूषित होती है। प्राथमिक मार्गों में से एक, जिसके माध्यम से माइक्रो प्लास्टिक्स हमारी खाद्य आपूर्ति में प्रवेश करता है, जल स्रोतों के संदूषण के माध्यम से होता है। नदियां, झीलें और महासागर प्लास्टिक कचरे के भंडार के रूप में तब्दील हो गए हैं, जो धीरे-धीरे छोटे और छोटे टुकड़ों में टूट जाता है। समुद्री जानवर इन कणों को भोजन समझने की गलती करते हैं, उन्हें निगलना और प्लास्टिक प्रदूषण के अनजाने वाहक बन जाते हैं। चूंकि बड़े शिकारी इस दूषित शिकार का उपभोग करते हैं, माइक्रोप्लास्टिक्स खाद्य श्रृंखला को जैव संचय करते हैं, अंतत: मनुष्यों तक पहुंचते हैं। लेकिन माइक्रोप्लास्टिक का खतरा समुद्री भोजन के साथ समाप्त नहीं होता है। हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि इन छोटे कणों ने नमक, शहद और यहां तक कि बीयर सहित अन्य खाद्य स्रोतों में भी घुसपैठ की है। हमारे पर्यावरण में प्लास्टिक की बहुतायत उपलब्धता का मतलब है कि खाद्य श्रृंखला का कोई भी कोना संदूषण से सुरक्षित नहीं है।

माइक्रोप्लास्टिक्स के खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बनने से इसके स्वास्थ्य पर प्रभाव के निहितार्थ अभी भी पूरी तरह से समझे जा रहे हैं, लेकिन हालिया शोध से पता चलता है कि ये मानव स्वास्थ्य के लिए बड़े जोखिम पैदा कर सकते हैं। नये अध्ययनों ने माइक्रोप्लास्टिक्स

के संपर्क को स्वास्थ्य समस्याओं की एक श्रृंखला के साथ जोड़ा है, जिसमें सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और जठरांत्र संबंधी मार्ग को नुकसान शामिल है। इसके अलावा, चिंता है कि माइक्रोप्लास्टिक्स हानिकारक रसायनों के लिए प्रसारक के रूप में कार्य कर सकता है, जैसे कि अंत:स्रावी अवरोधक और कार्सिनोजेन्स, जो प्लास्टिक के कणों से शरीर में लीच कर सकते हैं। मानव स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष प्रभाव से परे, माइक्रोप्लास्टिक पर्यावरण और वन्यजीवों के लिये भी खतरा पैदा करता है। प्लास्टिक को निगलने वाले समुद्री जानवर अक्सर आंतरिक चोटों, भुखमरी और प्रजनन समस्याओं से पीड़ित होते हैं, जिससे इनकी आबादी में गिरावट और पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान होता है। मिट्टी और पानी में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति भी कृषि उत्पादकता और जैव विविधता पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है, जिससे हम जिस पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहे हैं, वह और बढ़ सकता है। हमारी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में माइक्रोप्लास्टिक संदूषण के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और बायोडिग्रेडेबल विकल्पों के विकास जैसे उपायों के माध्यम से अपने स्रोत पर प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के प्रयास आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, हमारी खाद्य आपूर्ति में माइक्रोप्लास्टिक्स के प्रसार को रोकने के लिए खाद्य उत्पादन और पैकेजिंग प्रक्रियाओं की अधिक कठोर निगरानी और विनियमन की आवश्यकता है। उपभोक्ताओं के रूप में, माइक्रोप्लास्टिक संकट से निपटने में भी हमारी भूमिका है। न्यूनतम प्लास्टिक पैकेजिंग वाले उत्पादों का चयन करके, स्थिरता को प्राथमिकता देने वाली कंपनियों का समर्थन करके, और अपनी प्लास्टिक की खपत को कम करके, हम प्लास्टिक की मांग को कम करने और पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हमारी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में माइक्रोप्लास्टिक्स की व्यापकता वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के परस्पर संबंध और प्लास्टिक प्रदूषण संकट को दूर करने के लिए कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है। केवल व्यक्तिगत, कॉर्पोरेट और सरकारी स्तरों पर ठोस प्रयासों के माध्यम से हम अपनी खाद्य आपूर्ति की रक्षा करने और भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने की उम्मीद कर सकते हैं। अब कार्रवाई करने का समय आ गया है।

दवा नियामकों के कामकाज की समीक्षा जरूरी

दिनेश सी. शर्मा

पतंजलि आयुर्वेद के विज्ञापनों की तार्किकता को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में जारी कानूनी लड़ाई ने अनेकानेक कारणों से काफी जिज्ञासा जगाई है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पतंजलि के कर्ता-धर्ताओं बाबा रामदेव और बालकृष्ण को अदालत की अवमानना के लिए निजी तौर पर पेश होकर बार-बार माफी मांगने पर जोर देना अभूतपूर्व है। इस मामले में अंतिम फैसला अभी आना बाकी है लेकिन अब तक हुई सुनवाई से तमाम संबंधित पक्ष यानी दवा निर्माता, नियामक, सरकार और सबसे ऊपर, उपभोक्ता के लिए कई अहम सबक सीखने को हैं। इस मामले के केंद्र में है दवा एवं जादुई उपचार (एतराज योग्य विज्ञापन) कानून 1954, दवा एवं प्रसाधन कानून-1940 और तत्पश्चात 1945 में बनाए नियम। 1954 में बना कानून कुछ दवाओं के विज्ञापन पर रोक लगाता है और कुछ स्थितियों में दवाओं का प्रचार कैसे किया जाए, इसको नियंत्रित करता है।

जिन रोगों के इलाज को लेकर विज्ञापन देने पर रोक है उनमें कैंसर, मधुमेह, बच्चा न होना, एड्स, मोटापा, समय पूर्व बुढ़ापा, अंधता इत्यादि हैं। यह कानून विशेष तौर पर उन भ्रामक विज्ञापनों के लिए है जिनमें रोग को ठीक करने हेतु चमत्कारी इलाज या किसी दवा की प्रभावशीलता को लेकर झूठे अथवा बढ़ा-चढ़ाकर किए दावे हों। यह कानून केंद्र सरकार को इन प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने की शक्ति प्रदान करता है। भारत में दवाएं, प्रसाधन, मेडिकल उपकरण और अन्य संबंधित उत्पादों का उत्पादन, वितरण और बिक्री के लिए 1940 का कानून और इसके अंतर्गत बनाए गए नियम, मुख्य प्रावधान हैं। पतंजलि का अपने अनेकानेक जड़ी-बूटी आधारित उत्पादों के बारे में दावा है कि इनसे रोग पूरी तरह 'ठीक' हो जाते हैं, इनमें डायबिटीज, थायरॉयड समस्या और यहां तक कि कैंसर भी शामिल है। कोविड-19 महामारी के दौरान, इसने कोरोनिल नामक उत्पाद जारी किया और कोविड 'ठीक' करने का दावा किया। इस उत्पाद की लॉन्चिंग में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन भी उपस्थित थे।

जब इसकी प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठे तो मार्किटिंग पैंतरे के तहत दावे को 'उपचार' से 'प्रबंधन' बताना शुरू कर दिया। अनेकानेक रोगों को ठीक करने का दावा करते अपने विज्ञापनों में पतंजलि संस्थान इलाज की आधुनिक मेडिकल व्यवस्था को निशाना बनाने लगा। यह कहकर कि उसके पास ठीक करने वाला कोई इलाज नहीं है। इसने न केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को असहज किया बल्कि भारतीय मेडिकल संगठन (आईएमए) को भी। इन्होंने पतंजलि आयुर्वेद को दो दवा कानूनों के उल्लघंन करने के लिए अदालत में घसीटा, जहां पर पतंजलि को चेतावनी मिली। तथापि, अदालत की सरासर अवमानना करते हुए, इस संस्थान ने अपने भ्रामक विज्ञापन जारी रखे। दवाओं, उपायों और स्वास्थ्य से संबंधित भ्रामक विज्ञापन एक बड़ी समस्या है और इस काम में पतंजलि आयुर्वेद ही एकमात्र नहीं है।

भारत भर में अखबार और टेलीविजन चैनल (एक विशेष वक्त पर) पर ऐसे विज्ञापनों और प्रायोजित सामग्री की भरमार है, जिनमें हरेक रोग के इलाज और उपचार को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, फिर चाहे यह कब्ज हो या हृदय रोग। ऑनलाइन मंच जैसे कि यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर ऐसे चिकित्सकों, कंपनियों की बाढ़ आई हुई है और यह करना कानून का पूरी तरह उल्लंघन है। तथाकथित सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स भी संभावित खतरनाक स्वास्थ्य उत्पादों के प्रचार में शामिल हो गए हैं। हालांकि, बड़ी दवा कंपनियां भी सीधे ढंग से विज्ञापन देने से बचती हैं लेकिन उन्होंने भी चोर रास्ते निकाल रखे हैं, जिसमें पैसे देकर बनवाई-चलवाई खबरें, मेडिकल सम्मेलनों को प्रायोजित करना और चिकित्सकों को अपनी दवाएं लिखने की एवज में उपहार देना इत्यादि शामिल है। कुछ साल पहले, स्वयं भारतीय मेडिकल संघ पर कुछ उत्पादों की प्रभावशीलता और नैतिकता संबंधी पक्ष पर ध्यान दिए बिना उनका अनुमोदन करने का इल्जाम लगा था। हम लोग इस स्थिति में इसलिए नहीं हैं कि हमारे कानून नाकाफी या नख-दंतहीन हैं। बल्कि इसलिए हैं क्योंकि सरकार द्वारा इनकी अनुपालना करवाने में ढीलढाल की जाती है। नियामक एवं नियंत्रण करने वाले संस्थानों ने मुंह फेरना तय कर रखा है।

कानून भी पुराने पड़ चुके हैं और इनमें समय-समय पर सुधार नहीं किया गया। इनकी प्रासंगिकता को लेकर बनी अनेक कमेटियों ने इन्हें और अधिक कड़ा बनाने की जरूरत बताई है। बेशक बदलाव की प्रक्रिया में समय लगता है किंतु वर्तमान प्रावधानों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग न करने के पीछे क्या वजह है। लेखक ने वर्ष 2008 में रामदेव द्वारा एचआईवी-एड्स को लेकर किए दावों पर सवाल उठाए थे। अम्बुमणि रामदॉस जो कि स्वयं प्रशिक्षित चिकित्सक हैं और तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री थे, ने रामदेव को इस बाबत मंत्रालय से नोटिस भी जारी करवाया था। लेकिन जल्द ही उन्होंने भी यू-टर्न लिया और गुरुग्राम में रामदेव द्वारा आयोजित योग शिविर में भाग लिया, वहां रामदेव ने फिर से एचआईवी-एड्स को ठीक करने के अपने दावे दोहराए। बृंदा करात, जो उस वक्त मार्क्सवादी पार्टी से सांसद थीं, उन्होंने भी उत्तराखंड सरकार से भ्रामक विज्ञापनों का मसला उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मौजूदा मामले में, केंद्र और राज्य सरकार नियामक एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई में ढिलाई बरती है और आपसी मिलीभगत से पतंजलि को अतिरंजित विज्ञापन देने की खुली छूट दिए रखी।

सुंदरवन का जंगल

सुंदरवन का जंगल पश्चिम बंगाल में स्थित है। सुंदर वन को भारत के सबसे बड़े और खतरनाक जंगल के रूप में जाना जाता है। भारत और बांग्लादेश दोनों देशों में यह जंगल पड़ता है। यह जंगल गंगा नदी के डेल्टा पर स्थित है। यह जंगल रॉयल बंगाल टाइगर के लिए प्रसिद्ध है, यहां खारे पानी के मगरमच्छ बहुत हैं। इस स्थान पर भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा, ब्रह्मपुत्र, पद्मा और मेघना जैसी नदियां आकर समुद्र में मिलती हैं।

प्रकृति से है प्यार तो घूमें जंगल सफारी

भारत में कई बड़े घने और ऊंचे जंगल हैं, जो भारत को एक हरा भरा और सुंदर देश बनाते हैं। देश में सबसे ज्यादा जंगल का हिस्सा मिजोरम में है। इसके अलावा मध्य प्रदेश में सबसे अधिक जंगल वाली भूमि है। देश के अलग अलग राज्यों में जंगल हैं, जो पर्यटकों के लिए घूमने हेतु खोला गया है। प्राकृतिकता से प्यार है, और जानवरों के बीच कुछ वक्त हरे-भरे नजारों को देखते हुए बिताना चाहते हैं तो भारत के सबसे सुंदर और प्रसिद्ध जंगलों की सैर पर जा सकते हैं। रावली और विंध्य की पहाड़ियों में रणथंबोर नेशनल पार्क फैला है। यहां बाघ, चीते, सांभर, जंगली सूअर, चिंकारा, हिरण और तेंदुए की तमाम प्रजातियां पाई जाती हैं। पक्षियों की लगभग 264 प्रजातियां देखने को मिल सकती हैं। जीप सफारी का आनंद उठाने के लिए रणथंबोर नेशनल पार्क में अक्टूबर से लेकर जून तक के बीच जाना सबसे बेहतर समय होता है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

जिम कार्बेट नेशनल पार्क भारत का सबसे मशहूर वाइल्ड लाइफ पार्क है। यह एशिया का पहला उद्यान है। यहां बाघों की कई प्रजातियां मिलती है। जिम कार्बेट घूमने जाना चाहते हैं तो बरसात को छोड़कर किसी भी मौसम में जा सकते हैं। मार्च से मई के महीने में जाना सबसे बेहतर है। जीप सफारी के दौरान आपको खुलेआम टाइगर घूमते हुए दिख जाएंगे।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान विश्व में एक सींग वाले गैंडे के लिए लोकप्रिय है। यह राष्ट्रीय उद्यान असम का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान है। असम में स्थित काजीरंगा नेशनल पार्क में सेंट्रल कोहोरा रेंज है, जहां के मिहिमुख क्षेत्र में हाथी की सवारी और जीप सफारी का लुत्फ उठाने का मौका मिलता है। अगर आप भी पीएम मोदी की तरह काजीरंगा नेशनल पार्क में जंगल सफारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं और प्राकृतिकता के बीच एडवेंचर ट्रिप का आनंद लेना चाहते हैं तो असम यात्रा की योजना बनाएं।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

मध्य प्रदेश अपने राष्ट्रीय पार्क और जंगलों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा ही एक मशहूर नेशनल पार्क है कान्हा राष्ट्रीय उद्यान। इसे साल 1955 में नेशनल पार्क का दर्जा मिला था। लगभग विलुप्त हो चुकी बारहसिंघा की प्रजातियां यहां देखने को मिल जाती है। जबलपुर कान्हा से 175 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ये पार्क जबलपुर, खजुराहो, नागपुर, मुक्की और रायपुर से सड़क के माध्यम से सीधा जुड़ा हुआ है।

हंसना मना है

मास्टर जी- बताओ शून्य की खोज किसने की थी... गप्पू- आलिया भट्ट, आलिया भट्ट... गप्पू गुस्से में मुझसे मजाक करते हो... तभी एक लड़का बोला...सर वो तोतला है आर्यभट्ट कह रहा है...

लड़की- मैं तुम्हारे लिए आग पर भी चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं। लड़का- लव यू जानू, क्या तुम मुझसे अभी मिलने आ सकती हो, लड़की- पागल हो क्या इतनी धूप में कैसे आ सकती हूं। लड़की की बात सुनकर लड़के के तो होश ही उड़ गए।

पति- शादी के समय सात फेरे लेते वक्त तुमने वचन दिया था और स्वीकार किया था कि मेरी इज्जत करोगी, मेरी सब बात मानोगी। पत्नी- तो क्या इतने लोगों के सामने तुमसे बहस करती। पतिदेव बेहोश।

हमको यु पागल बनाना छोड़ दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

साली- जीजा अगले जन्म में क्या बनोगे? जीजा- जी छिपकली बनूंगा। साली- वो क्यों? जीजा- क्योंकि आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है।

कहानी | हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल के बीचों-बीच एक तलाब था, जहां जानवर आकर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा हुआ था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। यह देखकर हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। इस पर कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, लेकिन हंस अपने दोस्त का भला चाहते थे। उन्होंने अपने दोस्त की मदद कर के लिए खूब सोचा और एक तरकीब निकाली। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही उसे जो बोलना है बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो दोनों हंस लकड़ी को पकड़कर उड़ चले। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

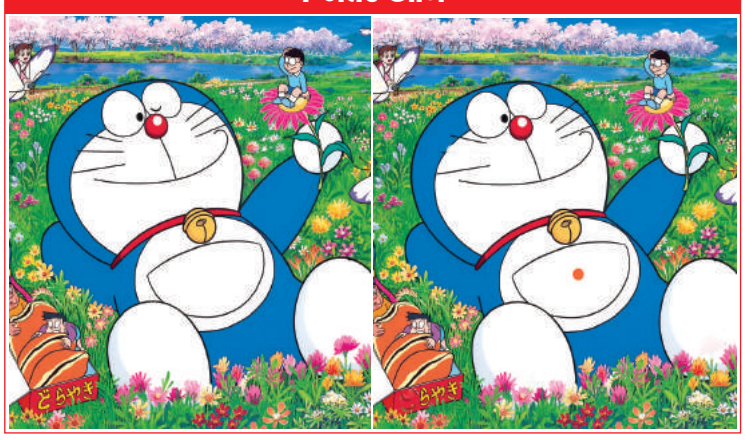

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सुख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है।

वृषभ

शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें।

मिथुन

विवाद से क्लेश होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे।

कर्क

शत्रु सक्रिय रहेंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें।

सिंह

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। धनार्जन होगा। पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा।

कन्या

दुष्जन हानि पहुंचा सकते हैं। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बाँटना आवश्यक है।

तुला

प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी।

धनु

कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे।

मकर

कोई मुसीबत आ सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी।

कुम्भ

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। मित्रों से मदद मिलेगी।

मीन

शत्रु परास्त होंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है।

पति आदित्य चोपड़ा को कोसती और गालियां देती हैं रानी मुखर्जी

बॉलीवुड के परफेक्ट और खूबसूरत कपल्स में से एक कहे जाने वाले रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा ने अपने रिश्ते को हमेशा ही बहुत निजी रखा। दोनों ने कई सालों की डेटिंग के बाद 2014 को शादी के बंधन में बंध गए। हालांकि, दोनों ने अपने इस रिश्ते को हमेशा ही प्राइवेट रखा। अब शादी के 10 साल बाद एक्ट्रेस आदित्य संग अपनी शादी और जिंदगी पर अक्सर चर्चा करती दिख जाती हैं। चलिए रविवार को इनकी शादी के मौके पर रानी और आदित्य की लव स्टोरी से जुड़ी कुछ खास बातें जानते हैं।

रानी ने एक इंटरव्यू में आदित्य के बारे में उन चीजों का खुलासा किया था, जिनकी वजह से वह उनकी ओर आकर्षित हुईं। रानी ने बताया था कि आदित्य एक बहुत अच्छे और दयालु इंसान हैं। वह अपनी टीम के लिए एक बहुत शानदार लीडर भी हैं और यही बातें रानी के लिए बहुत अहमियत रखती हैं। रानी ने कहा कि एक आपके बीच का प्यार और आकर्षण खत्म हो सकता है, लेकिन सम्मान हमेशा

बरकरार रहना चाहिए।

वहीं, दूसरी ओर रानी मुखर्जी ने एक बार नेहा धूपिया के साथ एक चैट शो में बताया था कि वह भी पति से लड़ाई करती हैं। एक्ट्रेस ने बताया, हां, मैं आदित्य से लड़ाई करती हूं। मैं हर दिन अपने पति को कोसती हूं। मैं उन्हें गालियां भी देती हूं, लेकिन वो इतनी प्यारी चीजें करती हैं कि मैं उन्हें प्यार से कोसती हूं।

रानी ने बताया कि उनके परिवार में अगर किसी को कोसा जाता है तो वो प्यार से होता है, नफरत से नहीं। एक्ट्रेस कहती हैं कि अगर वो किसी को कोसती हैं तो इसका मतलब वो उससे बेहद प्यार करती हैं।

गौरतलब है कि रानी से शाद से पहले मशहूर निर्माता आदित्य चोपड़ा शादीशुदा थे। उन्होंने पायल खन्ना के साथ शादी की थी। दोनों की शादी 2001 में हुई, लेकिन इनका रिश्ता लंबे वक्त तक नहीं टिक पाया और 2009 में दोनों तलाक लेकर अलग हो गए। इसके बाद आदित्य का नाम रानी मुखर्जी के साथ जुड़ने लगा और दोनों ने 21 अप्रैल, 2014 को शादी कर ली।

गुलाबी के लिये तपती गर्मी में कड़ी मेहनत कर रही हैं हुमा कुरैशी

बॉलीवुड | गपशप

हुमा कुरैशी अपनी आने वाली फिल्म गुलाबी के लिये कड़ी मेहनत कर रही है। हुमा कुरैशी इन दिनों विपुल मेहता के निर्देशन में बन रही फिल्म गुलाबी की शूटिंग गुजरात में कर रही है। इस फिल्म का निर्माण जिसे जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे और इकोलोन प्रोडक्शंस के विशाल राणा कर रहे हैं।यह फिल्म अहमदाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें हुमा आटो रिक्शा ड्राइवर की भूमिका निभा रही हैं। वह आटो रिक्शा चलाने के साथ-साथ पढ़ना चाहती है और दूसरे लोगों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। हुमा कुरैशी फिल्म गुलाबी के लिये कड़ी मेहनत कर रही है।

विशाल राणा ने बताया, हम तपती गर्मी की चुनौतियों बीच वहां के क्षेत्रीय लोगों के साथ शूट कर रहे हैं। हुमा बहुत सशक्त अभिनेत्री हैं। वह बिना किसी शिकायत के दिन के बारह-बारह घंटे शूटिंग कर रही हैं।उन्होंने काफी लंबा और सशक्त सीन सिर्फ एक टेक में शूट किया। कैमरे के सामने वह जितने शानदार तरीके से विविध भावनाएं प्रस्तुत करती हैं, उससे हम सब बहुत प्रभावित हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

पूरी तरह स्क्रिप्टेड होता है बिग बॉस : टीना दत्ता

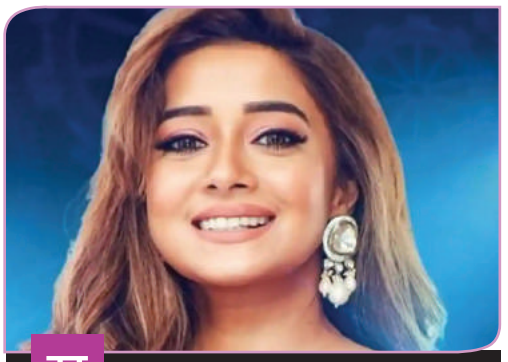

मशहूर टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंट रह चुकीं टीना दत्ता इस शो के बाद भी लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने डिजिटल कमेंट्री के पॉडकास्ट में बिग बॉस और अपने करियर को लेकर काफी बातें की हैं। वहीं, उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया है कि बिग बॉस के बाद आज भी किस कंटेस्टेंट्स के साथ उनकी दोस्ती बरकरार रह गई है। एक्ट्रेस बताया कि उन्हें टीवी शो उतरन के लिए कैसे कास्ट किया गया। पॉडकास्ट में टीना ने बताया कि उन दिनों वह बालाजी टेलीफिल्म्स के के टीवी शो कोई आने को है में काम कर रही थीं। वह इसकी शूटिंग खत्म करने के बाद कोलकाता लौट गईं और 2 अन्य बंगाली शोज के लिए काम करने लगीं। इसी दौरीन एक दिन टीना के पास उतरन के निर्माताओं का कॉल आया। उन्होंने एक्ट्रेस को ऑडिशन के लिए आने को कहा। हालांकि, उस समय फ्लाइट का किराया ज्यादा होने के कारण टीना बार-बार कोलकाता से मुंबई तक आना-जाना नहीं कर पाती थीं, ऐसे में उन्होंने ऑडिशन के लिए मुंबई आने से इनकार कर दिया। इसके बाद मेकर्स ने उतरन के लिए कोलकाता में ही टीना का ऑडिशन लिया। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि ऑडिशन के 5 दिनों बाद उन्हें उतरन की टीम की ओर से कॉल आया कि उन्हें कास्ट कर लिया गया है। टीना ने इस बात का भी खुलासा किया कि पहले इस शो में उनके रोल के लिए किसी और कास्ट किया गया था, लेकिन उस एक्ट्रेस ने कॉन्ट्रैक्ट तोड़ते हुए पहले ही कई इंटरव्यूज दे दिए थे। ऐसे में उतरन की इच्छा का किरदार टीना की झोली में आ गिरा। इसी पॉडकास्ट में टीना से बिग बॉस के स्क्रिप्टेड होने पर भी सवाल किए गए। एक्ट्रेस ने बताया कि यह शो स्क्रिप्टेड नहीं होता, लेकिन आपके सामने परिस्थितियां ऐसी बना दी जाती हैं कि आपके झगड़े होंगे ही। उन्होंने कहा कि आपको ऐसे टास्क दिए जाते हैं जिनके कारण आप लड़ने लगते हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मान लीजिए कि दो लोग अच्छे दोस्त हैं तो टास्क में उन्हें अलग-अलग टीम्स में रखा जाएगा। ऐसे में तो झगड़ा होगा ही। टीना ने बताया कि बिग बॉस के घर में आपके हर एक एक्शन पर आपको जज किया जाता है।

उत्तराखंड के अनोखे संन्यासी! लिख चुके हैं 8 किताबें और कई फिल्मों की कहानी

उत्तराखंड की सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में कई ऐसे वरिष्ठ कलाकार हैं जो अपनी ख्याति की वजह से अल्मोड़ा का नाम रोशन कर रहे हैं। आज हम आपको ऐसे संन्यासी के बारे में बता रहे हैं जो 8 से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं। इनका नाम है त्रिभुवन गिरी महाराज। त्रिभुवन गिरी महाराज ने कुमाऊंनी और हिंदी साहित्य में कई रचनाएं लिखी हैं, 78 साल की उम्र में वह अल्मोड़ा की विश्व प्रसिद्ध रामलीला में पाठ खेलते हुए नजर आते हैं।

त्रिभुवन गिरी महाराज ने बताया कि उन्हें बचपन से ही लिखने का शौक था। आगे उन्होंने बताया कि परिस्थिति आदमी से हर चीज करा ही लेती है। 1960-70 की दशक में चीन के भारत पर आक्रमण करने की वजह से कई कवि पैदा हुए, उनमें से मैं भी एक था। तबसे लेकर वह आज तक लिखते हुए आ रहे हैं। उनका ज्यादा फोकस कुमाऊंनी भाषा पर रहता है। त्रिभुवन गिरी ने कई कुमाऊंनी किताबें, कई नाटक, कहानी और कई फिल्मों की कहानियां भी लिखी हैं। त्रिभुवन गिरी महाराज के अनुसार जब तक वह जिंदा है तब तक वह लिखते ही रहेंगे। रामलीला और क्लब की बैठकी होली और पुरवासी पत्रिका के संपादन के अलावा भी वो खुद कुमाऊंनी भाषा के लेखक के रूप में स्थापित हैं और यथासंभव कुमाऊंनी भाषा के विस्तार की बात करते रहते हैं । त्रिभुवन गिरि ने 8 पुस्तकें लिखी हैं जिसमें कहानी, उपन्यास, महाकाव्य नाटक, खंडकाव्य और कहानी शामिल है। साथ ही उन्होंने बताया कि उत्तराखंड की लोक गाथा के ऊपर भी उन्होंने लिखा है। उन्होंने बांजि कुड़िक पहरू जो एक पलायन से संबंधित किताब भी लिखी है। उनकी लिखी गई किताबों से लोग नाटकों का मंचन करते हैं। उन्होंने बताया बांजि कुड़िक पहरू पर जल्द ही फिल्म आने वाली है। त्रिभुवन गिरी महाराज ने बताया कि आजकल की युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और अपने त्योहारों को कहीं भूलते ही जा रही है । जिससे आने वाले समय में लोग अपने त्योहारों को भूल जाएंगे। उनका मानना है कि इन सब में सबसे बड़ा दोष अभिभावकों का है। क्योंकि वह अपने बच्चों को अपनी संस्कृति और अपने त्योहारों के बारे में बताने में असफल हो रहे हैं।

अजब-गजब | शायद ही कोई जानता होगा इसकी खास वजह?

समुद्री लुटेरों की आंख पर क्यों होती है पट्टी

हॉलीवुड की एक प्रसिद्ध फिल्म है, 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' । इस फिल्म में जॉनी डेप मुख्य भूमिका में हैं, जो पिछले दिनों अपनी बीवी से तलाक की वजह से चर्चा में थे । फिल्म में जॉनी पाइरेट बने हैं, यानी समुद्री लुटेरे । समुद्री लुटेरों को भारतीय फिल्मों में भी दिखाया गया है । लुटेरों की शिप समुद्रों में घूमती है और मालवाहक जहाजों पर लूटपाट कर उसका सामान चुराती है। वैसे ये सिर्फ कल्पना नहीं है, समुद्री लुटेरे असल में होते हैं और इनका इतिहास भी काफी पुराना है। पर इनसे जुड़ी एक बात काफी आम है, जो फिल्मों में भी दिखाते हैं। वो ये कि समुद्री लुटेरों की एक आंख पर हमेशा पट्टी बंधी रहती है। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है?

पाइरेट्स की आंखों पर पट्टी बंधे होने के पीछे काफी अफवाहें फैलती हैं। फिल्मों में दिखाते हैं कि उनकी एक आंख खराब होती है, जिसके ऊपर वो पट्टी बांधे रहते हैं। वहीं कई बार ये भी दिखाते हैं कि वो फैशन के लिए पट्टी बांधे रहते हैं। पर मेंटल फ्लॉस वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ऑरिगॉन पैसिफिक यूनिवर्सिटी में विजन इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर, डॉक्टर जिम शीडी ने वॉल स्ट्रीट जर्नल से बात करते हुए बताया था कि पाइरेट्स पट्टी क्यों बांधते हैं।

उनके अनुसार जब हम अंधेरे से रोशनी में

जाते हैं, तो हमारी आंखें काफी जल्दी एडजस्ट हो जाती हैं और सब कुछ देखने लगती हैं, मगर लाइट से अंधेरे में जाने पर आंखों को एडजस्ट होने में 25 मिनट तक लग सकता है। इसमें फोटो पिगमेंट्स के रीजेनरेशन में वक्त लग जाता है। समुद्री लुटेरों को अक्सर अपने जहाज के ऊपरी तल और डेक के नीचे, यानी निचले तल तक जाना पड़ता है। ऊपरी तल पर तो धूप होती है, पर निचला तल बिल्कुल अंधेरे में होता है। ऐसे में आंखों को तुरंत एडजस्ट करने के लिए वो एक आंख पर पट्टी बांधे रहते हैं। जैसे ही वो नीचे जाते हैं, तो जिस आंख से धूप में देख रहे थे, उस आंख पर पट्टी घुमा लेते हैं, और बंध आंख को खोल लेते हैं, जिससे वो अंधेरे में आसानी से देख सके। उनके अनुसार जब हम अंधेरे से रोशनी में जाते हैं, तो हमारी आंखें काफी जल्दी एडजस्ट हो जाती हैं और सब कुछ देखने लगती हैं, मगर लाइट से अंधेरे में जाने पर आंखों को एडजस्ट होने में 25 मिनट तक लग सकता है। इसमें फोटो पिगमेंट्स के रीजेनरेशन में वक्त लग जाता है। समुद्री लुटेरों को अक्सर अपने जहाज के ऊपरी तल और डेक के नीचे, यानी निचले तल तक जाना पड़ता है। ऊपरी तल पर तो धूप होती है, पर निचला तल बिल्कुल अंधेरे में होता है। ऐसे में आंखों को तुरंत एडजस्ट करने के लिए वो एक आंख पर पट्टी बांधे रहते हैं। जैसे ही वो नीचे जाते हैं, तो जिस आंख से धूप में देख रहे थे, उस आंख पर पट्टी घुमा लेते हैं, और बंध आंख को खोल लेते हैं, जिससे वो अंधेरे में आसानी से देख सके।

इस तरह लुटेरे, लूटपाट के दौरान, या किसी हमले के दौरान आसानी से अंधेरे और उजाले में देख पाते हैं। उन्हें आंखों को एडजस्ट करने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता। इतिहास में इस थ्योरी को साबित करने के कोई साक्ष्य नहीं हैं, ऐसे में भरोसे से कोई नहीं कह सकता कि इसी वजह से समुद्री लुटेरे आंख ढके रहते थे। हालांकि, कुछ देशों के मिलिट्री मैनुअल में भी तेज लाइट के सामने जाने पर एक आंख खुली और दूसरी बंद रखने का प्रावधान दिया हुआ है। आंख बंद करना सिर्फ फैशन नहीं होता है।

पहले चरण के रुझान कांग्रेस के पक्ष में, टेंशन में आई बीजेपी : गहलोत

» बौखलाई भाजपा अब 400 के नारे लगाना बंद कर देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पहले चरण के चुनाव के बाद रुझान कांग्रेस के पक्ष में हैं। इसलिए अब भाजपा टेंशन में आ गई है और इसी के चलते मोदीजी और अमित शाह राज्य का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस का माहौल एकतरफा है। पहले चरण के चुनाव के बाद अब भाजपा अबकी बार 400 पार के बारे में बात करना बंद कर देगी।

कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर मोदीजी की टिप्पणी को लेकर गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर क्यों बेतुकी बातें कर रहे हैं। हमारे मेनिफेस्टो में दी गई 25 गारंटियों को लेकर पीएम को जो भी आपत्ति है तो बताएं। समझ में नहीं आता कि पीएम घोषणापत्र को मुस्लिम लीग से क्यों जोड़ रहे हैं। पद पर रहते हुए प्रधानमंत्री किसी पार्टी, जाति या वर्ग का नहीं एक पूरे देश का होता है इसलिए उन्हें अपने पद का कद बनाए रखना चाहिए।

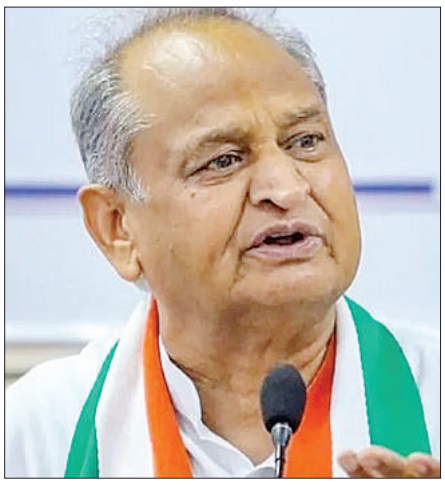

पहला फेज हारने के बाद भाजपा हिंदू-मुस्लिम करेगी : विवेक तन्खा

लोकसभा चुनाव को लेकर चौथे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। खरगोन लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी पोरलाल खरते के पक्ष में नामांकन जमा करने पहुंचे कांग्रेस के सीनियर लीडर विवेक तन्खा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जमकर जुबानी हमला बोला। उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी आड़े हाथों लिया। तन्खा ने कहा कि पहले चरण में ही उन्हें पता चल गया है कि उनकी हालत खराब है। इस वजह से वे इस तरह से हिंदू-मुस्लिम कर रहे हैं। पहले फेज में ही उनको पता चल गया है कि वे हार रहे हैं, और इंडिया एलाइंस बहुत आगे है। इस वजह से अब हर फेज में इनका हिन्दू-मुस्लिम बढ़ता जाएगा। भाजपा की सीटे घटती जाएंगी। उन्होंने मांग की है कि चुनाव आयोग को प्रधानमंत्री के बयान पर एक्शन लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने सीएम मोहन यादव पर भी पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें जमीनी हकीकत पता नहीं है। खरगोन पहुंचे कांग्रेस के सीनियर लीडर विवेक तन्खा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं कांग्रेस के अपने प्रत्याशी को बधाई देता हूं कि उन्होंने आधी लड़ाई तो नामांकन फार्म जमा करके ही जीत ली है। अब लड़ाई आर-पार की है।

कल होगा पीएम का दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुखबीरसिंह जौनापुरिया के समर्थन में सभा करने राजस्थान आएंगे। सभा के लिए उनियारा में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री की सभा से पहले आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए जौनापुरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी को एकजुट करने का काम किया है। उनकी योजनाएं देश के हर घर तक पहुंच रही हैं, प्रदेश में भी बहुत सारे काम हुए हैं और बहुत से काम ऐसे हैं जो पहले कभी नहीं हुए। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह है।

कांग्रेस जातिवाद और सांप्रदायिकता के खिलाफ चुनाव मैदान में : मीना

इधर टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हरीशचंद्र मीना का कहना है कि हम राष्ट्रीय मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की नीति है कि वह सभी धर्मों और सभी जातियों की पार्टी है। हम महंगाई, बेरोजगारी, जातिवाद और सांप्रदायिकता के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों से सांसद रहे जौनपुरिया जी ने एक भी केंद्र सरकार की योजना यहां शुरू नहीं की है और ना ही किसी पंचायत या गांवों में गए हैं। सांसद निधि से मिले करोड़ों रुपयों का भी कोई हिसाब नहीं है। जनता अब हिसाब चाहती है।

अघोषित आपातकाल चल रहा

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने एक बयान में कहा था कि कांग्रेस की बस में पेट्रोल खत्म हो गया है। इस पर पलटवार करते हुए तन्खा ने कहा कि उन्हें ग्राउंड रियलिटी का पता ही नहीं है। जमीनी स्तर पर लोग डरे हुए हैं। लोगों को पता है कि यह एक तरह से अघोषित आपातकाल है। उसे ही हटाने के लिए लोग मतदान करेंगे। आपातकाल के बाद जिस तरह से एक तरफ चुनाव हुआ था। उसी तरह से अब भी एक तरफ चुनाव होने वाला है।

हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करना खतरनाक : उमर

» बीजेपी पर भड़के नेंका नेता

» महबूबा बोलीं- ये संसद में आवाज उठाने की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विभिन्न धार्मिक समूहों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के कथित प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यहां पर लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ लड़ाने वाले बयान दिए जा रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला के बयान पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह पीपुल्स डेमोक्रेटक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस की लड़ाई नहीं है, यह जम्मू-कश्मीर के लिए संसद में आवाज उठाने की लड़ाई है... मुझे किसी के बयान पर कुछ नहीं कहना है। बता दें कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को विभिन्न धार्मिक समूहों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के कथित प्रयासों पर चिंता व्यक्त की।

कश्मीर में भाजपा कमजोर इसलिए नहीं उतार रही उम्मीदवार : विकार रसूल

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विकार रसूल वानी ने कहा कि कश्मीर में भाजपा को खुद के कमजोर होने का अहसास हो गया है, जिससे वह घाटी की तीनों सीटों पर पीछे हट गई है और वहां कोई प्रत्याशी नहीं उतार रही है। इंडिया गठबंधन में नेकां कश्मीर की तीनों सीटों पर शानदार प्रदर्शन करेगी। अगर इंडिया गठबंधन केंद्र में सत्ता में आता है, तो वह संस्कृति, नौकरियों और भूमि की रक्षा पर काम करेगा। इसके साथ राज्य का दर्जा बहाल करने और जम्मू-कश्मीर में जल्द विस चुनाव कराए जाएंगे। वानी ने कहा कि कश्मीर में भाजपा को अपना चेहरा दिख गया है।

एक चिन्ह दो लोगों को मिलने से फैल रहा भ्रम : सुप्रिया सुले

» चुनाव चिन्ह पर सुप्रिया ने जताई आपत्ति, चुनाव आयोग से की दूसरा शब्द डालने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुप्रिया सुले ने कहा है कि सुप्रिया सुले की राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी का चुनाव चिह्न तुरही बजाता हुआ आदमी है, जबकि एक स्वतंत्र उम्मीदवार को तुरही का चिह्न दिया गया है, जिससे मतदाता भ्रमित हो सकते हैं। इस भ्रम से बचने के लिए चुनाव आयोग ने यह भी मांग की है कि मराठी नाम में तुतारी शब्द की जगह कोई दूसरा शब्द डाला जाए।

जिस निर्दलीय उम्मीदवार को ट्रंपेट सिंबल मिला है उसका नाम सोहेल शेख है। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए चुनाव आवेदन वापस लेने का आज आखिरी दिन था, जिसके बाद अब कौन किसके खिलाफ उतरेगा इसकी तस्वीर साफ हो गई है। नामांकन फॉर्म वापस लेने के बाद चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह भी दे दिया है। इनमें से एक चुनाव चिन्ह पर सुप्रिया सुले ने आपत्ति जताई है। बारामती लोकसभा सीट से उम्मीदवार सोहेल शेख को तुरही यानी तुतारी का चुनाव चिह्न मिला है। इस चिन्ह के नाम पर सुप्रिया सुले ने आपत्ति जताई है। सुप्रिया सुले ने इस संबंध में चुनाव आयोग को पत्र भेजा है।

प्रधानमंत्री की टिप्पणियां 'विभाजनकारी' : ओवैसी

» मुसलमानों की 'रूढ़िवादी छवि' के बयान को लेकर जताई कड़ी आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया (बिहार)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक दिन पहले दिए गए भाषण में मुसलमानों की 'रूढ़िवादी छवि' (स्टीरियोटाइप) पेश किये जाने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के दौरान हैदराबाद के सांसद ने कहा कि वह राजस्थान में मोदी के भाषण की 'पोस्टमार्टम' जांच कराना चाहेंगे।

ओवैसी ने पूर्णिया जिले में रैली में कहा कि मोदी ने कहा कि मुसलमानों के ज्यादा बच्चे हैं। यह झूठ है। समुदाय में प्रजनन दर में गिरावट आई है और आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक यह 2.36 प्रतिशत है। हालांकि, माना जाता है कि हमारे हिंदू भाइयों के बीच प्रजनन दर कम है। प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा रैली में 'झूठ बोला' जैसा कि वह हमेशा करते आए हैं। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री कि टिप्पणियां 'विभाजनकारी' थीं। मोदी के तर्क के अनुसार, दक्षिणी राज्य संसद में कम सांसद होने को लेकर आंदोलन शुरू कर सकते हैं, क्योंकि वहां जनसंख्या वृद्धि दर कम है। लेकिन ये राज्य उत्तर की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अधिक योगदान देते हैं। मुझे मेरे छह बच्चों के लिए ताना मारा जा सकता है। लेकिन मोदी के बारे में क्या, जिनके छह भाई-बहन हैं और उनके पार्टी सहयोगियों जैसे अमित शाह और रविशंकर प्रसाद, दोनों बड़े परिवारों में जन्मे हैं?'

मोदी को आभास हो गया है पहले चरण के बाद वह हार रहे हैं : संजय सिंह

नागपुर। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को कहा कि संपत्ति को अल्पसंख्यकों के बीच पुनर्वितरित करने संबंधी प्रधानमंत्री का बयान दर्शाता है कि उन्हें लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तुरंत बाद आभास हो गया है कि वह हार रहे हैं। नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने भाजपा पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया और दावा किया कि पार्टी सत्ता में आने पर संविधान बदलने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजस्थान में चुनावी रैली के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान का हवाला देते हुए कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो लोगों की संपत्ति मुसलमानों में बांट देगी। मनमोहन सिंह ने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला दावा अल्पसंख्यक समुदाय का है।

जायसवाल की यशस्वी पारी से राजस्थान शीर्ष पर

» मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से चटाई धूल

» आठ मैच में सात जीत से 14 अंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए राजस्थान और मुंबई के बीच मैच में रॉयल्स की टीम ने 9 विकेट से जीत का पताका फहराया। इस दौरान संदीप शर्मा के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शतक जड़ा।

इस जीत से रॉयल्स के आठ मैच में सात जीत से 14 अंक हो गए हैं और उसने अंक तालिका के शीर्ष पर चार अंक की मजबूत बढ़त बना ली है। मुंबई के आठ मैच में तीन जीत से सिर्फ छह अंक हैं और टीम सातवें स्थान पर चल रही है। मुंबई इंडियन्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलक वर्मा (45 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से 65 रन) के अर्धशतक और निहाल वढेरा (49) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 99 रन की साझेदारी से खराब शुरुआत से उबरते हुए नौ विकेट पर 179 रन बनाए। वढेरा ने 24 गेंद का सामना करते हुए चार छक्के और तीन चौके मारे। रॉयल्स की तरफ से संदीप शर्मा (18 रन पर पांच विकेट) ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की। ट्रेंट बोल्ट (32 रन पर दो विकेट) ने उनका अच्छा साथ निभाते हुए दो विकेट चटकाए। चहल और आवेश ने एक-एक विकेट हासिल किया ।

राजस्थान के ओपनर्स ने जमकर धोया

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स को जायसवाल और बटलर ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 61 रन जोड़कर शानदार शुरुआत दिलाई। वहीं जायसवाल (नाबाद 104) ने नाबाद शतक जड़ने के अलावा जोस बटलर (35) के साथ पहले विकेट के लिए 74 और कप्तान संजू सैमसन (28 गेंद में नाबाद 38, दो छक्के, दो चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 109 रन की अटूट साझेदारी जिससे रॉयल्स ने आठ गेंद शेष रहते एक विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायसवाल ने 60 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और सात छक्के मारे। बारिश के कारण लगभग 40 मिनट के विलंब के बाद मुकाबला दोबारा शुरू हुआ। पीयूष चावला ने बटलर को बोल्ड करके मुंबई को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने 25 गेंद का सामना करते हुए छह चौके मारे।

शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट का फैसला अवैध : ममता

» टीएमसी सरकार अपर कोर्ट में देगी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा अध्यापक नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले के खिलाफ ममता सरकार शीर्ष अदालत में चुनौती देंगी। साथ ही उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले को अवैध बताया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2016 शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना करते हुए इसे अवैध बताया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार फैसले को चुनौती देगी।

बनर्जी ने उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, सभी भर्तियों को रद्द करने का अदालत का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने नौकरियां खो दीं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती दी जाएगी। बाद में करणदिघी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा, सभी फैसलों को स्वीकार करना अनिवार्य नहीं है। हम आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

भाजपा के निर्देशों के अनुसार पारित किया गया आदेश

उन्होंने कहा कि यह आदेश चुनावों के बीच भाजपा के निर्देशों के अनुसार पारित किया गया था। दरअसल, ममता बनर्जी सरकार को बड़ा झटका देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक निर्देश जारी कर पश्चिम बंगाल में सरकारी प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया। नियुक्ति यों को रद्द करने के अलावा, न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नियुक्ति प्रक्रिया की गहन जांच करने का निर्देश दिया। सीबीआई को तीन महीने के भीतर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

10 वर्षों में अधिकतर संसाधन कुछ हाथों में बेचे गये: जयराम

» इंडिया गठबंधन ही कर सकता है भारत का समावेशी और टिकाऊ विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को आर्थिक विषमता के विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन सरकार ही कर सकती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि पिछले 10 वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेच दिए गए।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आपको ये सब कभी नहीं बताएंगे कि 2012 से 2021 तक देश में बनी संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के पास गया है। उन्होंने दावा किया कि देश में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का लगभग 64 प्रतिशत ग़रीबों, निम्न मध्य वर्ग और मध्य वर्ग से आता है।

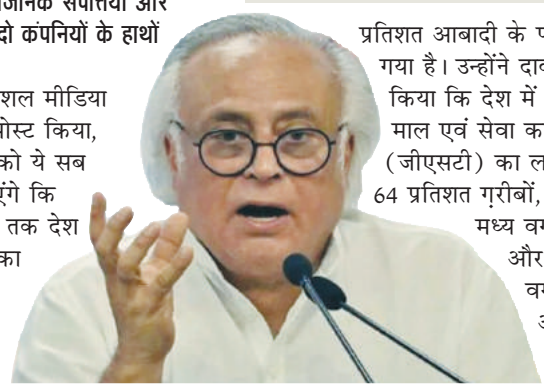

अर्थव्यवस्था में बढ़ते एकाधिकार के कारण महंगाई बढ़ी

अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि अर्थव्यवस्था में बढ़ते एकाधिकार के कारण महंगाई बढ़ी है। उनके मुताबिक, आज 21 अरबपतियों के पास कुल मिलाकर 70 करोड़ भारतीयों से अधिक संपत्ति है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, भारत को तेज आर्थिक विकास की जरूरत है। भारत को बहुत अधिक समावेशी आर्थिक विकास की आवश्यकता है। भारत को अधिक टिकाऊ पर्यावरणीय विकास की आवश्यकता है। केवल इंडिया गठबंधन ही यह तीनों कर सकता है और करेगा। कांग्रेस महासचिव रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजस्थान में होने वाली जनसभा से पहले उनसे कुछ सवाल किए।

दूसरी साइड पहुंची बस ट्रक से भिड़ी चार की मौत, 32 लोग घायल

» लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस -वे पर डिवाइडर तोड़कर बस दूसरी तरफ से जा रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में बस में सवार 40 लोग समेत ट्रक चालक व परिचालक घायल हो गए। गोरखपुर से दिल्ली जाते समय ठठिया के 208 किमी प्वाइंट पर पिपरौली गांव के पास बस हादसे की शिकार हो गई। चालक को नींद आने से बस डिवाइडर को तोड़कर दूसरी साइड में चल रहे ट्रक में सामने से टकरा गई। इससे बस सवार यात्रियों समेत ट्रक चालक व परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को मेडिकल कॉलेज तिर्वा में भर्ती कराया गया है। जहां चार लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। करीब 32 घायलों का इलाज चल रहा है। मृतकों का पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मलेशिया में नौसेना के टकराए दो हेलीकॉप्टर, 10 की मौत

» नेवी के एक समारोह के लिए तैयारी कर रहे थे विमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुआलालंपुर। मलेशिया में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना हुई। यहां नौसेना के दो हेलीकॉप्टर आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। बताया गया है कि यह हेलीकॉप्टर रॉयल मलयेशिन नेवी के एक समारोह के लिए तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान दोनों हवा में आपस में टकरा गए। इस घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार 10 क्रू सदस्यों की मौत हो गई ।

मलयेशियाई नौसेना के मुताबिक, घटना लुमुत नौसैन्य बेस पर सुबह करीब 9.30 बजे हुई। दुर्घटना के बाद सभी मृतकों के शव को

लुमुत आर्मी बेस अस्पताल ले जाया गया। यहां उनकी पहचान के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ, जब एक हेलीकॉप्टर का रोटर (पंखा) दूसरे हेलीकॉप्टर से टकरा गया और दोनों ही स्टेडियम के ग्राउंड में गिर गए। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

ईडी ने कोर्ट से मांगा समय अदालत ने किया स्वीकार

» हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर सुनवाई अब 1 मई को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। जमीन घोटाला मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर ईडी कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा गया, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत में अगली सुनवाई एक मई को निर्धारित की है। ईडी ने उन्हें जमीन घोटाले के आरोप में 31 जनवरी की रात पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किया था।

सोरेन रांची के बड़गाई अंचल की 8.86 एकड़ जमीन घोटाले के आरोपित हैं। हेमंत सोरेन ने गिरफ्तारी के 75 दिनों बाद 16 अप्रैल को रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी। यह मामला सुनवाई के लिए ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में सूचीबद्ध है। 16 अप्रैल को सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई थी।

बाबा रामदेव को फिर लगी सुप्रीम फटकार

» बड़े साइज में विज्ञापन छपवाकर माफी मांगें : सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद द्वारा अपनी दवाओं के लिए भ्रामक दावों को लेकर अदालत की अवमानना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान रामदेव को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच मामले पर सुनवाई की। योगगुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के एमडी आचार्य बालकृष्ण कोर्ट मे मौजूद रहे। अदालत की दलीलों के बाद रामदेव ने नया विज्ञापन जारी करने की बात कही।

जिस पर अदालत ने सुप्रीम कोर्ट ने ताजा विज्ञापन देने की इजाजत दे दी और कहा कि पतंजलि माफीनामे का बड़े साइज का नया विज्ञापन भी जारी करे। अखबार में छपवाए गए पतंजलि के माफीनामे को लेकर अदालत ने आज रामदेव को लताड़ लगाई। रामदेव के वकील ने माफीनामे को लेकर कहा कि हमने 67 अखबारों में एड दिया, जिसमें दस लाख रुपये खर्च हुए। इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने पूछा कि एड कहां छपा है और इसमें इतना समय क्यों लगा। आप किस चीज का इंतजार कर रहे थे। सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत से कहा कि हमने माफ़ीनामा दायर किया है। इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने पूछा कि इसे कल क्यों दायर किया गया। हम अब बंडलों को नहीं देख सकते, इसे हमें पहले ही दिया जाना चाहिए था। वहीं जस्टिस अमानुल्लाह ने पूछा कि यह कहां प्रकाशित हुआ है। जिसका जवाब देते हुए मुकुल रोहतगी ने बताया कि 67 अख़बारों में दिया गया है। जिस पर जस्टिस कोहली ने पूछा कि क्या यह आपके पिछले विज्ञापनों के समान आकार का था। जिस पर रामदेव के वकील ने कहा कि नहीं, इस पर 10 लाख रुपए खर्च किए गए हैं।

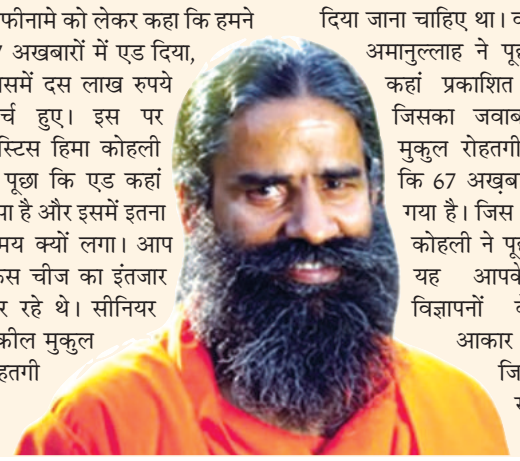

स्वास्थ्य मंत्रालय को भी लिया आड़े हाथों

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें एक आवेदन मिला है जिसमें पतंजलि के खिलाफ ऐसी याचिका दायर करने के लिए आईएमए पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की मांग की गई है। रामदेव के वकील रोहतगी ने कहा कि मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। अदालत ने कहा कि मुझे इस आवेदक की बात सुनने दें और फिर उस पर जुर्माना लगाएंगे,हमें शक है कि क्या यह एक प्रॉक्सी याचिका है। वहीं अदालत ने भ्रामक सूचनाओं पर कार्रवाई करने के लिए नियमों में संशोधन करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को आड़े हाथों लिया। जस्टिस कोहली ने (यूनियन से) कहा कि अब आप नियम 170 को वापस लेना चाहते हैं। अगर आपने ऐसा निर्णय लिया है, तो आपके साथ क्या हुआ? आप सिर्फ उस अधिनियम के तहत कार्य करना क्यों चुनते हैं जिसे उत्तरदाताओं ने पुरातन कहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।